1. महात्मा गांधी के पदार्पण से पूर्व भारत में राष्ट्रीय आंदोलन की दिशा को निम्नलिखित में से किन अंतरराष्ट्रीय घटनाओं ने प्रभावित किया था?

1. 1898 के इटली-अबीसीनिया युद्ध ने
2. चीन के बॉक्सर आंदोलन ने
3. आयरलैंड के क्रांतिकारी आंदोलन ने
4. रूस-जापान के युद्ध में जापान की विजय ने

(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 1, 2 और 3

(c) केवल 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

I.A.S. (Pre) 1994

उत्तर—(d)

Scanned with OKEN Scanner

भारत में राष्ट्रीय आंदोलन की दिशा को महात्मा गांधी के पदार्पण के पूर्व इटली-अबीसीनिया युद्ध (जिसमें इटली की औपनिवेशिक शक्ति पराजित हुई), 1899-1901 के दौरान चीन में साम्राज्यवादियों के विरुद्ध चलाए गए बॉक्सर आंदोलन तथा रूस पर जापान की विजय, इन सबने प्रभावित किया, किंतु इनमें वर्ष 1905 में जापान की रूस पर विजय का सर्वाधिक प्रभाव पड़ा। जापान ने वर्ष 1905 में जारशाही रूस को हराकर स्वयं को सैनिक दृष्टि से एक शक्तिशाली यूरोपीय देश से श्रेष्ठ सिद्ध कर दिया था। इससे इस मिथ्या भ्रम का निवारण हो गया कि गोरी जाति के लोग अजेय हैं।

2. कांग्रेस के नरम-दल के नेताओं की आंदोलन की पद्धति थी–

(a) असहयोग (b) राजवांमबध्य आंदोलन

(c) अनुकूल प्रविघटन (d) अविधेयक

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(b)

कांग्रेस के नरम दल के नेताओं की आंदोलन की प्रमुख पद्धति राजवांमबध्य आंदोलन (Constitutional Agitation) अर्थात् प्रशासन में भारतीयों की भागीदारी की मांग तथा जनता में राजनीतिक जागरूकता उत्पन्न करना था।

3. निम्नलिखित में किस आंदोलन के कारण भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का विभाजन हुआ जिसके परिणामस्वरूप 'नरम दल' और 'गरम दल' का उद्‌भव हुआ?

(a) स्वदेशी आंदोलन (b) भारत छोड़ो आंदोलन

(c) असहयोग आंदोलन (d) सविनय अवज्ञा आंदोलन

I.A.S. (Pre) 2015

उत्तर–(a)

स्वदेशी आंदोलन तथा विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के बंगाल से बाहर प्रसार को लेकर कांग्रेस के उग्रपंथी तथा नरमपंथी धड़ों के मध्य मतभेद व्याप्त था। गरमपंथी आंदोलनकारी स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन को बंगाल तक ही सीमित न रखकर उसे देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाना चाहते थे। वे केवल विदेशी माल के बहिष्कार से ही संतुष्ट नहीं थे, बल्कि वे चाहते थे कि अंग्रेजी हुकुमत को किसी भी तरह का सहयोग न दिया जाए।

4. अधिकतर नरमपंथी नेता थे–

(a) ग्रामीण क्षेत्रों से

(b) शहरी क्षेत्रों से

(c) ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों दोनों से

(d) पंजाब से

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

उदारवादी राजनीति या राजनीतिक भिक्षावृत्ति के युग में अधिकांश नरमपंथी नेता यथा–दादाभाई नौरोजी, फिरोजशाह मेहता, दिनशा वाचा, व्योमेश बनर्जीचंद्र और सुरेंद्रनाथ बनर्जी आदि शहरी क्षेत्रों से संबद्ध थे। इस काल में कांग्रेस पर समृद्धशाली मध्यवर्गीय बुद्धिजीवियों का जिनमें वकील, डॉक्टर, इंजीनियर, पत्रकार एवं साहित्यिक व्यक्ति सम्मिलित थे, का अधिकार था। उपाधियां और बड़े-बड़े पद इन लोगों के लिए आकर्षण रखते थे। कांग्रेस में आने वाले ये प्रतिनिधि बड़े-बड़े नगरों से आते थे और जनसाधारण से इनका कोई संपर्क नहीं था।

5. निम्नलिखित में से किसने 1904 से लगातार भारत को 'स्वशासन' देने पर बल दिया?

(a) एस.एन. बनर्जी (b) अरबिंद घोष

(c) फिरोजशाह मेहता (d) दादाभाई नौरोजी

U.P.P.C.S (Mains) 2016

उत्तर–(d)

दादाभाई नौरोजी ने भारत के लिए 'स्वशासन' या 'स्वराज' की मांग वर्ष 1904 में इंटरनेशनल सोशलिस्ट कांग्रेस में पहली बार रखी थी। वर्ष 1905 में कांग्रेस के बनारस अधिवेशन के अपने संदेश में भी स्वशासन (Self Government) की बात कही थी। वर्ष 1906 के कांग्रेस अधिवेशन में अपने अध्यक्षीय भाषण में स्वराज की मांग रखी थी।

6. निम्न में कौन उग्रपंथी नहीं था?

(a) बाल गंगाधर तिलक (b) मदनलाल

(c) ऊधम सिंह (d) गोपाल कृष्ण गोखले

44th B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर–(d)

गोपाल कृष्ण गोखले उदारवादी खेमे से संबद्ध थे। वह समभाव और मृदु न्यायप्रियता में विश्वास करते थे। उन्हें पूर्ण विश्वास था कि देश का पुनरुद्धार उत्तेजना के बवंडरों में नहीं हो सकता। वे साधन और साध्य दोनों की पवित्रता में विश्वास करते थे।

7. इनमें से कौन उग्र राष्ट्रवाद के उल्लेखनीय नेताओं में से नहीं था?

(a) गोपाल कृष्ण गोखले

(b) बिपिन चंद्र पाल

(c) लोकमान्य तिलक

(d) लाला लाजपत राय

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2014

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

8. **निम्नलिखित में से कौन उग्र राष्ट्रवादी नेता नही था?**
(a) बिपिन चंद्र पाल (b) बी.जी. तिलक
(c) लाला लाजपत राय (d) जी.के. गोखले
U.P.P.C.S (Mains) 2016

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. **किसने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर प्रार्थना, याचना तथा विरोध की राजनीति करने का आरोप लगाया?**
(a) लाला हरदयाल (b) बाल गंगाधर तिलक
(c) सुभाष चंद्र बोस (d) सरदार भगत सिंह
U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2002
U.P. Lower Sub. (Spl) (Pre) 2002

उत्तर–(b)

वर्ष 1906 के बाद भारतीय राजनीति में कांग्रेस के अंदर उग्रवादी दल के उदय के साथ-साथ देश में क्रांतिकारी उग्रवादी दलों का आविर्भाव हुआ। उग्रवादी विचारधारा के चार प्रमुख नेता थे–बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, बिपिन चंद्र पाल तथा अरबिंद घोष। इन नेताओं ने स्वराज्य प्राप्ति को ही अपना लक्ष्य बनाया। उन्हें उदारवादी नेताओं की तरह संवैधानिक दायरे के अंदर अपनी मांगें मनवाने में विश्वास नहीं था। तिलक ने कहा कि–"हमारा उद्देश्य आत्मनिर्भरता है, भिक्षावृत्ति नहीं।" उन्होंने कांग्रेस पर प्रार्थना, याचना तथा विरोध की राजनीति करने का आरोप लगाया।

10. **किसने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विरुद्ध 'अनुनय, विनय और विरोध' की राजनीति का दोष लगाया था?**
(a) बी.जी. तिलक (b) एम.ए. जिन्ना
(c) एस.सी. बोस (d) एनी बेसेंट
U.P.P.C.S (Pre) 2005
U.P.P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. **कांग्रेस की प्रार्थना और याचना की नीति अंततोगत्वा समाप्त हो गई–**
(a) अरबिंद घोष के नेतृत्व में
(b) बाल गंगाधर तिलक के नेतृत्व में
(c) लाला लाजपत राय के नेतृत्व में
(d) महात्मा गांधी के नेतृत्व में
I.A.S. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

कांग्रेस नेतृत्व की आवेदन-निवेदन नीति की असफलता ने देश के अंदर और खुद कांग्रेस के अंदर असंतोष पैदा किया। ब्रिटिश सरकार द्वारा लगातार कांग्रेस के प्रति अपनाई जाने वाली उपेक्षापूर्ण नीति ने कांग्रेस के युवा नेताओं जैसे–बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय एवं बिपिन चंद्र पाल को अंदर से आंदोलित किया। इन युवा नेताओं ने उदारवादी नेताओं की राजनीतिक भिक्षावृत्ति में कोई विश्वास नहीं जताया। इन्होंने स्वराज्य प्राप्ति को अपना मुख्य लक्ष्य बनाया। बाल गंगाधर तिलक इस विचारधारा के अग्रदूत थे। उनके नेतृत्व में कांग्रेस की प्रार्थना और याचना की नीति समाप्त हो गई।

12. **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को किसने "भीख मांगने वाली संस्था" (बेगिंग इंस्टीट्यूट) कहा था?**
(a) बी.सी. पाल ने (b) तिलक ने
(c) अरबिंद घोष ने (d) इनमें से किसी ने नहीं
U.P. Lower Sub. (Spl) (Pre) 2008

उत्तर–(a)

उग्र विचारधारा वाले नेताओं ने कांग्रेस के बारे में नकारात्मक टिप्पणियां की। उनमें से एक विपिन चंद्र पाल ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 'याचना संस्था' (बेगिंग इंस्टीट्यूट) की संज्ञा दी।

13. **भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन गरमपंथियों के प्रभावाधीन आया–**
(a) 1906 के बाद (b) 1909 के बाद
(c) 1914 के बाद (d) 1919 के बाद
43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(a)

वर्ष 1906 के बाद भारतीय राजनीति में कांग्रेस के भीतर गरम दल का प्रभाव बढ़ा। गरम दल का नेतृत्व प्रमुख कांग्रेसी नेताओं–बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, बिपिन चंद्र पाल तथा अरबिंद घोष ने मिलकर किया। इन नेताओं ने स्वराज्य को अपना लक्ष्य बनाया। तिलक ने नारा दिया–"स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा।"

14. **निम्नलिखित में से कौन-सा नेता कांग्रेस के गरम दल से संबंधित था?**
(a) अरबिंद घोष (b) दादाभाई नौरोजी
(c) जी.के. गोखले (d) एस.एन. बनर्जी
45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर–(a)

अरबिंद घोष कांग्रेस के उग्रवादी विचारधारा अथवा गरम पक्ष के नेता थे। वे गरम दल के चार स्तंभों (लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, बिपिन चंद्र पाल और अरबिंद घोष) में से एक थे। 1893-94 ई. में अपने एक लेख में उन्होंने कहा था कि कांग्रेस श्रमिक वर्ग से दूर

Scanned with OKEN Scanner

है, अराष्ट्रवादी है और पूर्णतया असफल रही है तथा इसकी शासकों के अप्रसन्न होने के भय से स्पष्ट न कहने की नीति को उन्होंने कायरता की संज्ञा दी। उनके अनुसार, कांग्रेस क्षय रोग से मरने वाली है। वर्ष 1908 में पुलिस द्वारा मणिकतल्ला उद्यान में छापा मार कर जिन 39 लोगों को गिरफ्तार किया गया उनमें अरबिंद घोष भी थे। सभी के ऊपर, अलीपुर षड्यंत्र मामले के अंतर्गत मुकदमा चला। अरबिंद घोष को एक वर्ष की सजा हुई, किंतु बाद में साक्ष्य के अभाव में उन्हें छोड़ दिया गया। कालांतर में वे क्रांतिकारी क्रियाकलापों से अलग होकर संन्यासी बन गए तथा पांडिचेरी चले गए।

15. निम्नलिखित में से कौन एक उग्रवादी था?

(a) फिरोजशाह मेहता
(b) गोपाल कृष्ण गोखले
(c) बिपिन चंद्र पाल
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2013

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. राष्ट्रीय आंदोलन में निम्न में से किसको नरमदलीय के तौर पर नहीं जाना जाता था?

(a) बाल गंगाधर तिलक (b) दादाभाई नौरोजी
(c) एम.जी. रानाडे (d) गोपाल कृष्ण गोखले

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010
45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. 'शेर-ए-पंजाब' के नाम से इनमें से कौन मशहूर थे?

(a) राजगुरु (b) भगत सिंह
(c) लाला लाजपत राय (d) उधम सिंह

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर–(c)

लाला लाजपत राय 'शेर-ए-पंजाब' के नाम से भी जाने जाते थे। ये भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में गरम दल के नेता तथा पंजाब के प्रतिनिधि थे। इन्हें 'पंजाब केसरी' भी कहा जाता है।

18. निम्नलिखित में से कौन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में उदारवादियों से जुड़ा नहीं था?

(a) फिरोजशाह मेहता (b) दादाभाई नौरोजी
(c) गोपाल कृष्ण गोखले (d) लाला लाजपत राय

U.P.P.C.S. (Mains) 2011

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. निम्न में से किस एक को लाला लाजपत राय ने अपना राजनीतिक गुरु माना था?

(a) गैरिबॉल्डी को (b) विवेकानंद को
(c) दादाभाई नौरोजी को (d) मैजिनी को

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर–(d)

लाला लाजपत राय ने इटली के क्रांतिकारी (राष्ट्रपिता) मैजिनी के जीवनवृत्त को पढ़ने के बाद उन्हें अपना राजनीतिक गुरु माना तथा बाद में उन्होंने मैजिनी की उत्कृष्ट रचना 'द ड्यूटीज ऑफ मैन' का उर्दू में अनुवाद भी किया।

20. उन्होंने मैजिनी, गैरिबॉल्डी, शिवाजी तथा श्रीकृष्ण की जीवनी लिखी; वे अमेरिका में कुछ समय के लिए रहे तथा वे केंद्रीय सभा के सदस्य भी निर्वाचित हुए। वे थे-

(a) अरविंद घोष (b) बिपिन चंद्र पाल
(c) लाला लाजपत राय (d) मोतीलाल नेहरू

I.A.S. (Pre) 2018

उत्तर–(c)

'पंजाब केसरी' के नाम से प्रसिद्ध भारतीय स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय वर्ष 1907 में 6 माह के निर्वासन के दौरान कुछ समय के लिए अमेरिका में रहे और प्रथम विश्व युद्ध के दौरान वापस लौटे। राजनीतिज्ञ के साथ-साथ वह ओजस्वी लेखक भी थे। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण, शिवाजी, स्वामी दयानंद सरस्वती, मैजिनी और गैरिबॉल्डी की संक्षिप्त जीवनियां भी लिखीं। 'अनहैप्पी इंडिया' और 'द स्टोरी ऑफ माई डिपोर्टेशन' उनकी अन्य महत्वपूर्ण रचनाएं हैं।

21. कांग्रेस सम्मेलनों को "शिक्षित भारतीयों का वार्षिक राष्ट्रीय मेला" किसने कहा था?

(a) लाला लाजपत राय (b) बाल गंगाधर तिलक
(c) गोपाल कृष्ण गोखले (d) बिपिनचंद्र पाल

M.P.P.C.S. (Pre), 2021

उत्तर–(a)

कांग्रेस सम्मेलनों को 'शिक्षित भारतीयों का वार्षिक राष्ट्रीय मेला' लाला लाजपत राय ने कहा था।

22. निम्न में कौन मध्यममार्गी नहीं था?

(a) गोपाल कृष्ण गोखले (b) बाल गंगाधर तिलक
(c) ए.ओ. ह्यूम (d) मदन मोहन मालवीय

U.P. P.C.S (Pre) 1995

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

कांग्रेस की प्रारंभिक उदारवादी अथवा मध्यममार्गी नीतियों से नव राष्ट्रवादियों के रूप में प्रसिद्ध लाल, बाल, पाल का मोह भंग हो गया। बाल गंगाधर तिलक इस नई विचारधारा के अग्रदूत थे। वे मध्यममार्गी न होकर उग्र नीतियों के समर्थक थे।

23. निम्नलिखित नेताओं में से कौन एक 'स्वदेशी' के समर्थक थे?

(a) अरबिंद घोष (b) फिरोजशाह मेहता
(c) दादाभाई नौरोजी (d) सुभाष चंद्र बोस

U.P. P.C.S. (Pre) 2009

उत्तर–(a)

बंगाल के विभाजन के विरोध में चलाए गए 'स्वदेशी आंदोलन' के अरबिंद घोष प्रमुख नेता थे। इस आंदोलन के अन्य प्रमुख नेता लाला लाजपत राय (पंजाब), बाल गंगाधर तिलक (महाराष्ट्र) तथा बिपिन चंद्र पाल (बंगाल) थे।

24. निम्नलिखित में से किसे "भारतीय अशांति के जनक" के रूप में जाना जाता है?

(a) ए.ओ. ह्यूम (b) दादाभाई नौरोजी
(c) लोकमान्य तिलक (d) महात्मा गांधी

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2001

उत्तर–(c)

तिलक सेवा और बलिदान में विश्वास करते थे और उनमें सरकार की सत्ता को चुनौती देने का साहस था। यह उन्हीं के प्रयत्नों का परिणाम था कि कांग्रेस, सरकार की प्रशंसा करने वाली संस्था से बदलकर सरकार की आलोचक संस्था बन गई। एंग्लो इंडियन नौकरशाही उन्हें विद्रोही समझती थी। सर वैलेंटाइन शिरोल ने उन्हें भारत में 'अशांति का जन्मदाता' कहा था। तिलक शिरोल पर मानहानि का मुकदमा चलाने के उद्देश्य से इंग्लैंड गए थे। यद्यपि वे मुकदमा हार गए, किंतु इसका उचित प्रभाव हुआ।

25. बाल गंगाधर तिलक को किसने 'अशांति का जनक' कहा?

(a) लॉर्ड कर्जन (b) विन्सेंट स्मिथ
(c) वैलेंटाइन शिरोल (d) हेनरी काटन

U.P. Lower Sub. (Pre) 2013

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. किसने कहा था, "तिलक भारतीय अशांति के जनक हैं"?

(a) वी. शिरोल (b) लुई फिशर
(c) वेब मिलर (d) लॉर्ड रीडिंग

U.P. P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. निम्नलिखित में से किसे 'भारतीय अशांति का जनक' कहा गया है?

(a) बी.जी. तिलक को (b) जी.के. गोखले को
(c) सुभाष चंद्र बोस को (d) महात्मा गांधी को

U.P. P.C.S. (Mains) 2004

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

28. बी.जी. तिलक को सजा के पश्चात् निम्नलिखित में से किसने दया की वकालत की थी और कहा था -
"संस्कृत के एक विद्वान के रूप में तिलक में मेरी दिलचस्पी है।"?

(a) रबींद्रनाथ टैगोर (b) मैक्स मुलर
(c) बिपिन चंद्र पाल (d) विलियम जॉस

U.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर–(b)

बाल गंगाधर तिलक को सजा सुनाए जाने के पश्चात् प्रसिद्ध विद्वान मैक्स मुलर ने दया की वकालत करते हुए यह कहा था कि "संस्कृत के एक विद्वान के रूप में तिलक में मेरी दिलचस्पी है।"

29. बाल गंगाधर तिलक 'लोकमान्य तिलक' के नाम से जाना जाने लगे, जब-

(a) वे एक लोकप्रिय शिक्षक बने
(b) उन्होंने एक लोकप्रिय अखबार शुरू किया
(c) सरकार ने उन्हें रैंड मर्डर केस में अभियुक्त बनाया
(d) उन्होंने शिवाजी और गणपति उत्सव शुरू किया
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(e)

ब्रिटिश सरकार ने बाल गंगाधर तिलक को पुणे के असिस्टेंट कलेक्टर 'रैंड' की हत्या के मामले में अभियुक्त बनाया। तिलक को दोषी पाया गया और उन्हें 18 माह के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। जब वे जेल से बाहर आए तो वे एक राष्ट्रीय नायक (National Hero) के रूप में उभरे। इस तरह किसी एक घटना नहीं बल्कि अनेक राष्ट्रवादी कार्यों के बाद तिलक को 'लोकमान्य' की उपाधि दी गई थी।

30. 1908 में 6 वर्ष के कारावास की सजा स्वतंत्रता संग्राम के किस उग्रवादी नेता को दी गई थी?

(a) बिपिन चंद्र पाल (b) बाल गंगाधर तिलक
(c) लाला लाजपत राय (d) अरबिंद घोष

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(b)

वर्ष 1908 में बाल गंगाधर तिलक को 'केसरी' में प्रकाशित लेखों के आधार पर राजद्रोह का मुकदमा चलाकर 6 वर्ष के कारावास की सजा देकर मांडले जेल (बर्मा) भेज दिया गया था।

Scanned with OKEN Scanner

31. 1908 में बाल गंगाधर तिलक को जेल हुई–
(a) 5 वर्ष की (b) 6 वर्ष की
(c) 7 वर्ष की (d) 8 वर्ष की

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के प्रारंभिक दौर में उग्रवादी विचारधारा को निम्नलिखित में से कौन-सा एक निरूपित करता है?
(a) आयातित वस्तुओं पर देशज वस्तुओं को प्रश्रय देकर देशज वस्तुओं के उत्पादन को बढ़ावा देना।
(b) सांविधानिक साधनों एवं याचिकाओं के स्थान पर आक्रामक साधनों से स्वशासन प्राप्त करना।
(c) देश को आवश्यकतानुसार राष्ट्रीय शिक्षा प्रदान करना।
(d) सैनिक विद्रोह द्वारा ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध बलात् राजपरिवर्तन संगठित करना।

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर–(b)

जहां उदारवादी दल संवैधानिक आंदोलन में, अंग्रेजों की न्यायप्रियता में, वार्षिक सम्मेलनों में, भाषण देने में, प्रस्ताव पारित करने में और इंग्लैंड में शिष्टमंडल भेजने में विश्वास करता था वहीं दूसरी ओर उग्रवादी दल आक्रामक प्रतिरोध में, सामूहिक आंदोलन में तथा आत्म-बलिदान के लिए दृढ़ निश्चय में विश्वास करता था। इनके लिए स्वराज का अर्थ–'विदेशी नियंत्रण से पूर्ण स्वतंत्रता था', जबकि उदारवादी दल के स्वराज का अर्थ 'साम्राज्य के अंदर औपनिवेशिक स्वशासन था।'

33. भारतीय मुसलमान, सामान्य रूप से उग्रवादी आंदोलन की ओर आकर्षित नहीं हुए, इसका कारण था–
(a) उन पर सर सैयद अहमद खां का प्रभाव
(b) उग्रवादी नेताओं का मुस्लिम विरोधी दृष्टिकोण
(c) मुस्लिम आकांक्षाओं के प्रति उदासीनता का भाव
(d) उग्रवादियों की हिंदू अतीत का राग अलापने की नीति

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर–(d)

भारतीय मुसलमान, सामान्य रूप से उग्रवादी आंदोलन की ओर आकर्षित नहीं हुए, क्योंकि उग्रवादी नेता हिंदू अतीत को वापस लाने की बात करते थे। अरबिंद घोष ने कहा "स्वतंत्रता हमारे जीवन का उद्देश्य है और हिंदू धर्म ही हमारे इस उद्देश्य की पूर्ति करेगा। राष्ट्रीयता एक धर्म है और वह ईश्वर की देन है।"

34. कथन (A) : बाल गंगाधर तिलक सांप्रदायिकतावादी थे।
कारण (R) : उन्होंने धर्म का राजनैतिक अस्त्र के रूप में प्रयोग किया।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर अपना उत्तर चुनिए–
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

U.P. P.C.S (Pre) 2001

उत्तर–(d)

प्रश्नगत कथन और कारण में (A) गलत है, किंतु (R) सही है। तिलक सांप्रदायिकतावादी नहीं थे। वे प्रथम राष्ट्रवादी नेता थे, जिन्होंने जनता से निकट का संबंध स्थापित करने का प्रयत्न किया और इस दृष्टि से वे महात्मा गांधी के अग्रगामी थे। इस उद्देश्य से उन्होंने अखाड़े, लाठी क्लब, गो-हत्या विरोधी सभाएं स्थापित कीं। उन्होंने महाराष्ट्र में शिवाजी महोत्सव तथा गणपति पर्व आरंभ किए ताकि जनता में राष्ट्रसेवा की भावना जागे। इस प्रकार उन्होंने धर्म का राजनैतिक अस्त्र के रूप में तो प्रयोग किया, परंतु इसका उद्देश्य सांप्रदायिकतावादी नहीं बल्कि जनजागरण था।

35. महाराष्ट्र में गणपति पर्व का श्रीगणेश किया था–
(a) बी.जी. तिलक ने (b) एम.जी. रानाडे ने
(c) बिपिन चंद्र पाल ने (d) अरबिंद घोष ने

U.P. P.C.S. (Pre) 1996
U.P. P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

36. निम्नलिखित में से किसने महाराष्ट्र के गणपति उत्सव का ऐसा कायाकल्प किया कि वह एक राष्ट्रीय उत्सव हो गया और उसका स्वरूप राजनैतिक हो गया?
(a) रामदास
(b) शिवाजी
(c) महादेव गोविंद रानाडे
(d) बाल गंगाधर तिलक

U.P. P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner